# सम्पन्नता का आधार है आंतरिक शक्ति- मिश्रा

लखनऊ। 'पावर ऑफ फ्यूचर' कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए केन्या के प्रसिद्ध उद्योगपति निजार जुमा, आर.के.मितल, रूना बनर्जी, दिनेश शर्मा, ब्र.कु.विद्या बहन तथा अन्य।

**लखनऊ।** वर्तमान समय हमारे पास संसाधन बढ़ते जा रहे हैं परंतु हमारी आंतरिक शक्तियां क्षीण होती जा रही है। जबकि आंतरिक शक्ति ही भौतिक सम्पन्नता का आधार है।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश के प्रोटोकॉल मंत्री अभिषेक मिश्रा ने ब्रह्माकुमारीज़ के गोमती सेवाकेंद्र द्वारा 'पावर ऑफ फ्यूचर' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही शक्ति का स्रोत है। आर्थिक विकास और शिक्षा के ग्राफ समानांतर होते हैं। जब शिक्षा का ग्राफ ऊपर होता है तभी आर्थिक विकास होता है। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य के लिए बहुत ही गौरव की बात है जो इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन यहां किया गया है।

केन्या के प्रसिद्ध उद्योगपति निजार जुमा ने कहा कि भारत की शक्ति जो पश्चिमी देशों में गई थी वहां के लोगों ने इसका उपयोग विनाशकारी संसाधनों के निमार्ण में किया। जिसके परिणामस्वरूप आज पूरा विश्व विनाश के कगार पर खड़ा है। परंतु अब वह शक्ति पुन: भारत की ओर लौट रही है जिसके लिए भारत के नागरिकों को तैयार रहने की आवश्यकता है। आज पूरा विश्व भारत की ओर आशा भरी निगाहों से निहार रहा है।

लखनऊ के मेयर दिनेश शर्मा ने कहा कि समाज के प्रत्येक लोगों के अंदर सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास एक दिन अवश्य सफल होगा। लेबनान की वरिष्ठ पत्रकार रानिया डागर तथा फिल्म निर्माता नुपूर सिन्हा ने कहा कि पश्चिमी देश के लोग भले ही भौतिक सम्पदा से सम्पन्न हों, परन्तु असली सम्पन्नता तो भारत में ही देखने को मिलती है। क्योंकि यहां मूल्य और शक्ति दोनों का संगम है।

सहारा हॉस्पीटल के निदेशक डॉ.मंसूर हसन, फ्रांस की एमडी कन्सल्टिंग मार्क फोर्काडे, आस्ट्रेलिया की ब्र.कु.मोरीन ने कहा कि इन शक्तियों का कैसे उपयोग होना चाहिए इसकी सही पहचान हमें इस कार्यक्रम से मिल रही है। यदि वास्तव में व्यक्ति इस पर अमल करे तो वह दिन दूर नहीं जब मानव देव समान बन जायेगा।

इस कार्यक्रम को कार्यकारी अधिकारी रूना बनर्जी, रशिया में सेवाकेंद्रों की संचालिका ब्र.कु.चक्रधारी, लखनऊ में सेवाकेंद्रों की संचालिका ब्र.कु.राधा, ब्र.कु.कोमल सहित अनेक गणमान्य लोगों ने सम्बोधित किया।

# तनावमुक्त जीवन का आधार है राजयोग - मल्लिक

**राजविराज।** दैनिक जीवन में आने वाली अनेक समस्याओं का समाधान आध्यात्मिक ज्ञान से ही संभव है। तनाव मुक्त जीवन ही सुख-शांति पूर्ण जीवन जीने का एक मात्र आधार है।

उक्त उद्गार राजविराज उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश लोकेन्द्र मल्लिक ने 'समय की पुकार-परमात्म शक्ति से स्वर्णिम संसार' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि परमात्मा पिता का सत्य ज्ञान ही मानव को जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करता है।

माउण्ट आबू की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.उषा ने कहा परमात्म शक्ति ही मानसिक सुख-शांति प्राप्त करने का आधार है। अनेक विपरीत परिस्थितियों में परमात्मा का साथ हमें चिंतामुक्त बनाता है। इसके लिए कालचक्र के रहस्य को समझना अति आवश्यक है।

नेपाल में सेवाकेंद्रों की संचालिका ब्र.कु.राज ने कहा कि यह समय स्वयं को और परमात्मा को पहचानने का है। क्योंकि अब सृष्टि परिवर्तन की वेला चल रही है। इसलिए स्वर्णिम युग की स्थापना में आप परमात्मा का साथ अवश्य दें।

इस कार्यक्रम को पूर्व मंत्री मृगेन्द्र कुमार सिंह यादव, पूर्व मेयर शैलेष कुमार चौधरी, डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट हरिराज पंत, ब्र.कु.किरण, ब्र.कु.रामसिंह ऐर ने भी सम्बोधित किया और अपनी शुभकामनायें व्यक्त की। प्रसिद्ध भोजपुरी कलाकार पुनम शर्मा एवं राजदेवी कला केंद्र के कलाकारों ने अपनी रंगारंग प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

**राजविराज।** 'समय की पुकार परमात्म शक्ति से स्वर्णिम संसार' कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस लोकेन्द्र मल्लिक, माउण्ट आबू की ब्र.कु.उषा बहन, नेपाल में सेवाकेंद्रों की संचालिका ब्र.कु.राज तथा अन्य।

# ''अहिंसा परमोधर्म: जागरूकता'' अभियान का शुभारंभ

**नई दिल्ली।** सारे विश्व में बढ़ती हुई हिंसा के वातावरण में अहिंसा की जागृति लाने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ एवं टाईम्स फाउण्डेशन, टाईम्स ऑफ इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से एक वर्ष तक चलने वाले अखिल भारतीय ''अहिंसा परमोधर्म जागरूकता अभियान'' का शुभारंभ सत्य साई इंटरनेशनल सभागार, लोधी रोड से किया गया। इस अभियान का शुभारंभ करते हुए दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष डॉ.योगानंद शास्त्री ने कहा कि अहिंसा का विषय अपने आप में महत्वपूर्ण है। हर धर्म में अहिंसा की शिक्षा दी जाती है लेकिन ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा दी जा रही अहिंसा की शिक्षा से दैवी प्रवृत्तियों की स्थापना होती है जिससे मानव में मूल्यों का विकास होता है। जिसका लाभ देश को, समाज को और परिवार को मिलता है। उन्होंने कहा कि यह संस्था हर धर्म से ऊपर उठकर राष्ट्रहित के लिए कार्य कर रही है। सांसद डॉ.प्रसन्ना पटसानी ने कहा कि दूसरों को दु:ख देना ही हिंसा है। उन्होंने कहा कि देश की एकता व अखण्डता को बनाए रखने के लिए अहिंसा की चेतना फैलानी होगी।

संयुक्त राष्ट्र संघ सूचना केंद्र की निदेशिका किरण मेहरा ने कहा कि असामान्य परिस्थितियों में हम अहिंसा का सहारा लेकर शांति स्थापन कर सकते हैं। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा संयुक्त राष्ट्रसंघ के साथ मिलकर शांति और अहिंसा के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। नवभारत टाईम्स की वरिष्ठ संपादक नमिता जोशी ने कहा कि सामाजिक वेबसाईटों द्वारा की जा रही अभिव्यक्ति से समाज में घृणा और नफरत का माहौल बनता जा रहा है। इसलिए अब हमें यह तय करना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कहां तक प्रकट करना है और कहां तक इसे नियंत्रण में रखना है। ओ.आर.सी. गुड़गांव की निदेशिका ब्र.कु.आशा ने कहा कि हिंसा की प्रवृत्तियों को देखते हुए निष्क्रिय होकर देखते रहना, अपनी अंतरात्मा को मार डालना, सत्य बात को बोलने से भयभीत होना और हिंसा जनित डर से जीना यह भी हिंसा का ही रूप है। इसलिए हमें कोई भी ऐसा कार्य नहीं करना चाहिए जिससे कि दूसरों की भावनाओं को ठेस पहुंचे।

इस कार्यक्रम को यहूदी अराधनालय के सचिव ई.आई.मलेकर, प्योरिटी के संपादक ब्र.कु.बृजमोहन, लंदन की ब्र.कु.गोपी बहन ने भी सम्बोधित किया।

**दिल्ली।** 'अहिंसा परमोधर्म: अभियान' को सम्बोधित करते हुए दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष डॉ.योगानंद शास्त्री।


## सदस्यता शुल्क

**भारत** – वार्षिक 170 रुपये
तीन वर्ष 510 रुपये
आजीवन 4000 रुपये
**विदेश** – 2000 रूपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू ) द्वारा भेजें ।

## पत्र-व्यवहार

ओम् शान्ति मीडिया
सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, तलहटी
पोस्ट बॉक्स नं. - 5, आबू रोड (राज.) 307510
Enquiry For Membership, Mob. No. - 09414006096
(M) - 09414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, website: www.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCSSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14 TH, 22 ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज् मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।